70वें स्वतन्त्रता दिवस पर शहीदों के लिए राहत कोष बनाये जाने की अपील

अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़ में 15 अगस्त, 2016 को 70वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि अग्रवाल महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के प्रधान श्री देवेन्द्र कुमार गुप्ता, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ0 कृष्णकान्त गुप्ता, डॉ वासु देव गुप्ता, श्री मेहर चन्द्र मित्तल, संभाग द्वितीय के प्रभारी डॉ0 ऊषा अग्रवाल, अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के अन्य वरिष्ठ सदस्य तथा शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक कर्मचारी और एन.सी.सी; एन.एस.एस. और वाई.आर.सी. के सभी सदस्य भी उपस्थित थे. ध्वजारोहण मुख्य अतिथि श्री देवेन्द्र कुमार गुप्ता के कर कमलों द्वारा किया गया. हम सब आज़ाद हैं, आज़ाद भारत में स्वतन्त्रता सेनानियों की कुर्बानियों की वजह से साँस ले रहे हैं और उन्हीं की स्मृति में जश्न–ए–आज़ादी पखवाडे के अन्तर्गत अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ में दिनॉक 9 अगस्त से 23 अगस्त 2016 तक स्वतन्त्रता सेनानियों की कुर्बानियों की याद में अनेकानेक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है. सेनानियों की कुर्वानियों को याद करते हुए महाविद्यालय परिसर में ध्वजारोहरण के पश्चात दो मिनट का मौन रखा गया. इसी कड़ी में विद्यार्थियों ने देश भक्ति गीत, कविता पाठ, समूह गान, भाषण एवं हल्ला बोल टीम द्वारा नुक्कड़ नाटक इत्यादि अनेकानेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करके वातावरण को देश भक्ति से ओत–प्रोत कर दिया. सभी विद्यार्थियों ने जोश एवं उमंग के साथ भाग लिया.

मुख्य अतिथि श्री देवेन्द्र कुमार गुप्ता ने अपने अभिभाषण में स्वतन्त्रता के पावन पर्व पर शहीदों को याद करते हुए कहा कि आज हम उन्हीं के बलिदानों की वजह से आज़ाद भारत में साँस ले रहे है. साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को एक प्रण लेने को कहा कि वे देश की रक्षा में शहीद सैनिकों के लिए प्रतिदिन कुछ धनराशि एकत्रित करें तथा साथ ही यह आश्वासन दिया कि

जितनी धन राशि विद्यार्थियों द्वारा एकत्रित की जायेगी उतनी ही धन राशि वे स्वयं देंगे. उन्होंने उद्‌गार व्यक्त करते हुए यह भी कहा कि यदि समूचे देश के विद्यालयों और महाविद्यालयों में इसी प्रकार शहीदों के लिए एक राहत कोष बना दिया जाये तो शहीदों के परिवारों को निश्चित ही लाभ मिलेगा. प्राचार्य डॉ0 कृष्ण कान्त गुप्ता जी ने अपने अभिभाषण में स्वतन्त्रता दिवस की बधाई देते हुए इस दिवस को प्रेरण दिवस के रुप में मनाने को कहा साथ ही उन्होंने कहा कि हम सब प्रतिज्ञा करें कि धर्म जाति, भाषा और क्षेत्र के आपसी भेद–भाव को मिटा कर देश को आन्तरिक रुप से मजबूत करें, ताकि बाहरी ताकतें हमको कोई भी नुकसान न पहुँचा सकें. उन्होंने बताया कि तरक्की एक यात्रा है जो कभी समाप्त नहीं होती व्यक्ति संवेदनशील और अपने कार्य के प्रति समर्पित होकर देश के प्रति अपने उत्तरदात्यिव का निर्वाह कर सकता है. उपस्थित समस्त आगन्तुक अतिथिगणों एवं विद्यार्थियों का श्रीमती कमल टंडन ने धन्यवाद ज्ञापन किया. स्वतंत्रता दिवस समारोह में मंच संचालन श्रीमती किरण आनन्द ने कियाण राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ.